दृष्टि
The Vision

करेंट अफेयर्स हरियाणा

अक्तूबर (संग्रह)

2021

दृष्टि, 641, प्रथम तल, डॉ. मुखर्जी नगर, दिल्ली-110009

फोन: 8750187501

ई-मेल: online@groupdrishti.com

अनुक्रम

हरियाणा **5**

- हरियाणा साहित्य अकादमी द्वारा वर्ष 2020 के लिये विभिन्न पुरस्कारों की घोषणा 5
- राज्य के 14,386 सरकारी स्कूलों में 'फर्स्ट-एड बॉक्स' 5
- जे.सी. बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, वाईएमसीए, फरीदाबाद ने इंडियन ऑयल (आर एंड डी) के साथ किया समझौता 6
- 'साइबर सिक्योरिटी अवेयरनेस' अभियान 6
- प्रदेश के विभिन्न ज़िलों में 'डीसी रेट' में संशोधन करने का निर्णय 7
- ड्रोन इमेजिंग एंड इन्फॉर्मेशन सर्विस ऑफ हरियाणा लिमिटेड (DRIISHYA) का गठन 7
- प्रदेश के सभी ज़िलों को 'वन डिस्ट्रिक वन प्रोडक्ट' योजना के लिये मिली मंज़ूरी 8
- हरियाणा ने 'गोरख धंधा' शब्द के इस्तेमाल पर प्रतिबंध लगाने की अधिसूचना जारी की 8
- आवास, मकान मरम्मत योजना के लिये विशेष प्रकोष्ठ 8
- हरियाणा सांझी उत्सव 9
- अंशु मलिक बनीं वर्ल्ड कुश्ती चैंपियनशिप में रजत पदक जीतने वाली पहली भारतीय महिला रेसलर 9
- विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस 10
- तोशाम पहाड़ी पर मिली मुंडरूपी उत्तर मध्यकालीन प्रतिमा 10
- परिवार पहचान-पत्र योजना 10
- गुरुग्राम में हेली-हब का निर्माण 11

नोट :

- हरियाणा सरकार ने 'दो प्रदेश स्तरीय संस्थान' शुरू करने का निर्णय लिया 11
- हरियाणा सांझी उत्सव-2021 11
- ई-ट्रैक्टर 12
- मुख्यमंत्री ने 71 'हर हित स्टोर' का लोकार्पण किया 12
- कोविड-19 सीरो सर्वेक्षण 13
- 'आयुष्मान भारत' योजना 14
- 'स्वस्थ हरियाणा' ऐप 14
- निशक्तता मामलों में सैनिकों को अनुग्रह राशि 14
- श्रेष्ठ राज्य कृषि नेतृत्व पुरस्कार, 2021 15
- हरियाणा संस्कृत अकादमी ने की वर्ष 2019 और 2020 के लिये पुरस्कारों की घोषणा 15
- बी.टेक. की पढ़ाई हिन्दी भाषा में 16
- ऐतिहासिक स्थलों का पर्यटन क्षेत्र के रूप में विकास 16
- दिव्यांगों के लिये राष्ट्रीय पुरस्कार की घोषणा 17
- 'अपशिष्ट प्रबंधन के लिये सहायता' योजना 17
- 100 बिस्तरों वाला क्रिटिकल कोविड आईसीयू 18
- 'हरियाणा-अफ्रीका कॉन्क्लेव, सीरीज़-1' 18
- 'हर खेत-स्वस्थ खेत' मोबाइल ऐप लॉन्च 19
- हरियाणा ने जीती राष्ट्रीय जूनियर महिला हॉकी ट्रॉफी 19

नोट :

दृष्टि
The Vision

नोट :

हरियाणा

हरियाणा साहित्य अकादमी द्वारा वर्ष 2020 के लिये विभिन्न पुरस्कारों की घोषणा

चर्चा में क्यों ?

30 सितंबर, 2021 को हरियाणा साहित्य अकादमी द्वारा वर्ष 2020 के लिये हिन्दी व हरियाणवी भाषा के श्रेष्ठ कृति पुरस्कारों, हिन्दी कहानी पुरस्कारों और पांडुलिपि अनुदानों की घोषणा की गई हैं।

प्रमुख बिंदु

श्रेष्ठ कृति पुरस्कारों के लिये हिन्दी कविता वर्ग में हिसार की डॉ. शर्मीला की कृति 'तीन टुकड़ा सूरज', कहानी वर्ग में रोहतक के विजय विभोर के कथा संग्रह 'फिर वही पहली रात', उपन्यास वर्ग में पंचकूला के लाजपतराय के 'पल जो यूं गुजरें', निबंध वर्ग में अंबाला शहर के पंकज शर्मा के व्यंग संग्रह 'मुफ्त बातों के मुफ्तलाल', जीवनी वर्ग में चरखीदादरी के डॉ. अशोक कुमार की पुस्तक 'हरियाणा शिखर महिलाएँ', यात्रा वृत्तांत वर्ग में हिसार के बलजीत सिंह की कृति 'काले पानी का सफेद सच' तथा बाल साहित्य वर्ग में भिवानी के महेंद्र सिंह सागर की कृति 'बाल उड़ान' को चयनित किया गया है।

इसी प्रकार हरियाणवी भाषा में झज्जर के डॉ. जयभगवान शर्मा के काव्य संग्रह 'यादां का झरोखा' तथा सोनीपत के रामबीर सिंह की 'लोककला सिरमौर: निहालचंद शिवचरण' को श्रेष्ठ कृति पुरस्कार के लिये चुना गया है। इन पुरस्कार विजेताओं को 31-31 हज़ार रुपए की पुरस्कार राशि प्रदान की जाएगी।

इसी प्रकार वर्ष 2020 की हिन्दी कहानी प्रतियोगिता में सिरसा के सुरेश बरनवाल की कहानी 'गीले पन्ने' को प्रथम स्थान, फरीदाबाद की भावना सक्सेना की कहानी 'नौबत' को द्वितीय और भिवानी की विनिता मलिक 'नवीन' की कहानी 'एडजस्ट करूँगी' को तृतीय पुरस्कार प्रदान किया जाएगा। इन पुरस्कार विजेताओं को क्रमश: 5,000 रुपए, 4,000 रुपए और 3,000 रुपए की पुरस्कार राशि दी जाएगी।

वर्ष 2020 के लिये प्राप्त पांडुलिपियों में से हिन्दी व हरियाणवी भाषा की कुल 20 पांडुलिपियों का अनुदान के लिये चयन किया गया है। इस योजना के तहत पुस्तक के प्रकाशन के उपरांत लेखक को 20,000 रुपए तक की अनुदान राशि प्रदान की जाती है।

जिन लेखकों की पांडुलिपियों का चयन किया गया है, उनमें करतार सिंह जाखड़ (भिवानी), शारदा मित्तल (पंचकूला), सुनीता देवी (संगरूर), डॉ. हेमलता शर्मा (पंचकूला), श्याम वशिष्ठ (भिवानी), सीमा गुप्ता (पंचकूला), डॉ. सुरेश कुमार (अंबाला छावनी), डॉ. सत्यवान सौरभ (भिवानी), नीलम नारंग (हिसार), विजय विभोर (रोहतक), बनी सिंह जांगड़ा (हिसार), अशोक बैरागी (सोनीपत), बी. मदन मोहन (जगाधरी), विपिन चौधरी (हिसार), राजबीर वर्मा (करनाल), त्रिलोक चंद (महेंद्रगढ़), दलबीर सिंह (रेवाड़ी), शिखा कुमारी (हिसार), सेवा सिंह (चंडीगढ़) और डॉ. बहादुर सिंह (यमुनानगर) शामिल हैं।

राज्य के 14,386 सरकारी स्कूलों में 'फर्स्ट-एड बॉक्स'

चर्चा में क्यों ?

30 सितंबर, 2021 को हरियाणा सरकार ने राज्य के 14,386 सरकारी स्कूलों में प्राथमिक उपचार के समय काम आने वाली दवाओं से युक्त 'फर्स्ट-एड बॉक्स' स्थापित करने की तैयारी शुरू कर दी है।

प्रमुख बिंदु

हरियाणा स्कूल शिक्षा परियोजना परिषद के माध्यम से सरकार ने प्रदेश के 11,049 प्राइमरी व 3,337 सेकेंडरी स्कूलों में 'फर्स्ट-एड बॉक्स' की किट खरीदने के लिये बजट निर्धारित किया है।

नोट :

इसके लिये परिषद ने वित्त वर्ष 2021-22 के लिये कुल करीब 3 करोड़ रुपए की राशि भी जारी कर दी है। प्रत्येक स्कूल के लिये 2,000 रुपए निर्धारित किये गए हैं।

इसके तहत विज्ञान के अध्यापक को 'फर्स्ट-एड' का प्रशिक्षण देकर इंचार्ज बनाया जाएगा।

स्कूली बच्चों को तुरंत प्राथमिक उपचार प्रदान करने हेतु सरकार ने 'स्कूल स्तर पर बचाव व सुरक्षा के लिये फंड' योजना के तहत प्रदेश के सभी सरकारी स्कूलों हेतु 2 करोड़ 87 लाख 72 हज़ार रुपए जारी किये हैं।

जे.सी. बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, वाईएमसीए, फरीदाबाद ने इंडियन ऑयल (आर एंड डी) के साथ किया समझौता

चर्चा में क्यों ?

2 अक्टूबर, 2021 को हरियाणा में वैज्ञानिक एवं प्रौद्योगिकी अनुसंधान और नवाचार को बढ़ावा देने की दिशा में अहम कदम उठाते हुए जे.सी. बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, वाईएमसीए, फरीदाबाद ने इंडियन ऑयल (आर एंड डी) के साथ एक समझौता पर हस्ताक्षर किये हैं।

प्रमुख बिंदु

इंडियन ऑयल (आर एंड डी) के सहयोग से विश्वविद्यालय युवा शोधकर्त्ताओं को विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के उभरते क्षेत्रों में अनुसंधान के लिये प्रोत्साहित करने हेतु रिसर्च फेलोशिप स्कीम शुरू करेगा।

इस बारे में जानकारी देते हुए विश्वविद्यालय के प्रवक्ता ने बताया कि समझौता ज्ञापन के अंतर्गत इंडियन ऑयल (आर एंड डी) ने 2.5 करोड़ रुपए का बजटीय प्रावधान किया है। इंडियन ऑयल-सीएसआईआर-जे.सी. बोस यूनिवर्सिटी रिसर्च फेलोशिप स्कीम में पीएचडी स्कॉलर्स को पाँच साल की अवधि के लिये रिसर्च फेलोशिप प्रदान करेगी।

यह समझौता देश में अनुसंधान और नवाचार की संस्कृति को पोषित करने की इंडियन ऑयल (आर एंड डी) की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। इससे पहले समझौते पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. सुनील कुमार गर्ग और इंडियन ऑयल (आर एंड डी) के कार्यकारी निदेशक (रासायनिक प्रौद्योगिकी) डॉ. जी.एस. कपूर ने हस्ताक्षर किये।

'साइबर सिक्योरिटी अवेयरनेस' अभियान

चर्चा में क्यों ?

4 अक्टूबर, 2021 को हरियाणा सरकार ने प्रदेश के सभी महाविद्यालयों व विश्वविद्यालयों में 'साइबर सिक्योरिटी अवेयरनेस' (Cyber Security Awareness) अभियान चलाने का निर्णय लिया है, जिससे विद्यार्थियों, कर्मचारियों व समाज के अन्य लोगों को 'साइबर फ्रॉड' का शिकार होने से बचाया जा सके।

प्रमुख बिंदु

हरियाणा उच्चतर शिक्षा व तकनीकी शिक्षा विभाग के प्रधान सचिव की ओर से सभी विश्वविद्यालयों के कुलसचिवों एवं महाविद्यालयों के प्राचार्यों को कि वे अपने-अपने संस्थान में 'साइबर सिक्योरिटी अवेयरनेस' अभियान चलाने के निर्देश दिये गए हैं।

राज्य सरकार द्वारा 'साइबर सिक्योरिटी अवेयरनेस' से संबंधित एक बुकलैट प्रकाशित की गई है, जिसमें समाज में होने वाले साइबर-क्राइम धमकी, साइबर-फ्रॉड्स, साइबर-ह्रासमेंट आदि के बारे में जानकारी दी गई है। इसके अलावा उक्त क्राइम्स से बचने के तरीके भी बताए गए हैं।

ज्ञातव्य है कि साइबर सिक्योरिटी एक प्रकार की सुरक्षा होती है, जिसका कार्य इंटरनेट से जुड़ी डिजिटल डिवाइस के डाटा को सुरक्षा प्रदान करना होता है। साइबर सुरक्षा द्वारा इंटरनेट पर हो रही गलत गतिविधियों को रोका जाता है, जिससे इंटरनेट उपयोगकर्त्ता के डाटा की हानि न हो पाए। यह सुरक्षा कंप्यूटर, सर्वर, मोबाइल और नेटवर्क को इंटरनेट पर हो रहे साइबर हमलों से बचाती है। साइबर सुरक्षा को 'इन्फॉर्मेशन सिक्योरिटी' और 'टेक्नोलॉजी सिक्योरिटी' नामों से भी जाना जाता है।

नोट :

प्रदेश के विभिन्न ज़िलों में 'डीसी रेट' में संशोधन करने का निर्णय

चर्चा में क्यों ?

4 अक्टूबर, 2021 को हरियाणा सरकार ने प्रदेश के विभिन्न ज़िलों में 'डीसी रेट' में संशोधन करने का निर्णय लिया है।

प्रमुख बिंदु

डीसी रेट अकुशल (अनस्किल्ड), अर्द्धकुशल (सेमीस्किल्ड) और कुशल श्रमिकों (स्किल्ड) की मज़दूरी होती है, जो उपायुक्तों की अध्यक्षता में ज़िलास्तरीय समिति द्वारा तय की जाती है।

राज्य सरकार ने इस मामले की समीक्षा कर न्यूनतम मज़दूरी तथा ज़िला विशेष उपभोक्ता मूल्य के सिद्धांतों पर डीसी रेट तय करने का निर्णय लिया है। हरियाणा के मुख्य सचिव के नेतृत्व में सामान्य प्रशासन विभाग सभी श्रेणियों और ज़िलों के लिये डीसी रेट तय करेगा। इससे इन दरों को युक्तिसंगत बनाया जा सकेगा और इससे कर्मचारियों को लाभ होगा।

डीसी रेट का प्रारंभिक उद्देश्य आसानी से उपलब्ध श्रम दर होना था, जिसका उपयोग, समय की कमी के कारण निविदाओं को आमंत्रित करना संभव न होने की स्थिति में, आपातकालीन स्थिति, जैसे- बाढ़ नियंत्रण कार्यों के लिये श्रमिकों को लगाना आदि के लिये किया जा सकता है। समय के साथ डीसी रेट को गैर-आपातकालीन समय में भी एडहॉक/अस्थायी श्रमिकों/कर्मचारियों की नियुक्ति के लिये मानक दर के रूप में मान्यता मिल गई।

इस कार्यप्रणाली में विभिन्न कारक, जैसे- किराए के आवास का मूल्य, सब्जी की कीमतें, स्कूल शुल्क दर आदि शामिल हैं।

इसमें ज़िलों को तीन श्रेणियों में वर्गीकृत किया गया है, श्रेणी-ए में- ज़िला गुरुग्राम, फरीदाबाद, पंचकूला और सोनीपत, श्रेणी-बी में- पानीपत, झज्जर, पलवल, करनाल, अंबाला, हिसार, रोहतक, रेवाड़ी, कुरुक्षेत्र, कैथल, यमुनानगर, भिवानी और जींद तथा श्रेणी-सी में- महेंद्रगढ़, फतेहाबाद, सिरसा, नूँह और चरखी दादरी शामिल हैं।

मज़दूरी समूह के अनुसार, अर्थात् ग्रुप-बी (स्किल्ड), ग्रुप-सी-1 (सेमीस्किल्ड नॉन टेक्निकल), ग्रुप-सी-2 (सेमीस्किल्ड II-टेक्नीकल) और ग्रुप-डी (अनस्किल्ड), लागू की जाएगी। मुद्रास्फीति के साथ तालमेल बनाए रखने के लिये सालाना 5 प्रतिशत की वृद्धि की अनुमति दी जाएगी।

ड्रोन इमेजिंग एंड इन्फॉर्मेशन सर्विस ऑफ हरियाणा लिमिटेड (DRIISHYA) का गठन

चर्चा में क्यों ?

4 अक्टूबर, 2021 को हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर ने नवगठित ड्रोन इमेजिंग एंड इन्फॉर्मेशन सर्विस ऑफ हरियाणा लिमिटेड (DRIISHYA) के बोर्ड ऑफ डायरेक्टर की पहली बैठक की अध्यक्षता की।

प्रमुख बिंदु

बोर्ड ऑफ डायरेक्टर की बैठक में ड्रोन पायलट की ट्रेनिंग के लिये इंदिरा गांधी राष्ट्रीय उड़ान एकेडमी के साथ एमओयू साइन करने की अनुमति प्रदान की गई।

उल्लेखनीय है कि प्रदेश में विभिन्न प्रकार के सर्वे, गिरदावरी तथा इमेजिंग के कार्य को तत्परता से निपटाने के लिये ड्रोन इमेजिंग एंड इन्फॉर्मेशन सर्विस ऑफ हरियाणा लिमिटेड (DRIISHYA) का गठन किया गया है।

मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर को 'दृष्या' का चेयरमैन मनोनीत किया गया है और मुख्य सचिव विजय वर्धन को वरिष्ठ वाइस चेयरमैन बनाया गया है। इसके अलावा बोर्ड में 10 निदेशक नियुक्त किये गए हैं।

इसके गठन से हरियाणा में हर वर्ष मैनुअल किये जाने वाले सर्वे के कार्यों में आने वाली दिक्कतें दूर हो सकेंगी और सर्वे वैज्ञानिक तरीके से किये जा सकेंगे।

प्रदेश में यह एक अनूठी शुरुआत है। इसका उपयोग राजस्व के अलावा खनन, वन, यातायात, नगर एवं योजना विभाग, कृषि आदि विभागों में किया जा सकेगा।

इस कंपनी का मुख्यालय करनाल में बनाया गया है और यह ड्रोन की खरीद करने के लिये नोडल एजेंसी होगी। इससे मैपिंग, भूमि रिकॉर्ड, आपदा प्रबंधन एवं आपातकालीन सेवाएँ तथा शहरी क्षेत्र में योजनागत विकास करने में मदद मिलेगी।

नोट :

प्रदेश के सभी ज़िलों को 'वन डिस्ट्रिक वन प्रोडक्ट' योजना के लिये मिली मंज़ूरी

चर्चा में क्यों ?

5 अक्टूबर, 2021 को हरियाणा के उपमुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला ने बताया कि प्रदेश के सभी 22 ज़िलों को 'वन डिस्ट्रिक वन प्रोडक्ट' योजना के लिये केंद्रीय खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय द्वारा मंज़ूरी मिल गई है।

प्रमुख बिंदु

सभी 22 ज़िलों की कृषि, बागवानी, दूध, पॉल्ट्री आदि क्षेत्र से संबंधित अपना उत्पाद शामिल किया गया है, जिसे सरकार द्वारा इस योजना के तहत आर्थिक और तकनीकी सहायता करके बढ़ावा दिया जाएगा। इससे किसानों, सूक्ष्म उद्यमियों को पूरा लाभ मिलेगा और प्रदेश में कृषि निर्यात भी बढ़ेगा।

इन ज़िलों में मंज़ूर किये गए उत्पादों में अंबाला ज़िले में प्याज, भिवानी-फतेहाबाद-महेंद्रगढ़ में मौसमी, नींबू, संतरा आदि खट्टे फल, चरखी दादरी-रोहतक-फरीदाबाद में खीरा, ककड़ी, खरबूजा, कद्दू, तरबूज आदि कुकुरबिट्स से संबंधित उत्पादों को बढ़ावा दिया जाएगा।

इसी प्रकार गुरुग्राम ज़िले में आँवला, झज्जर में अमरूद, जींद में मुर्गीपालन, करनाल में हरी पत्तेदार सब्जियाँ, कुरुक्षेत्र में आलू, नूँह-पलवल में टमाटर, पंचकूला में अदरक, हिसार-कैथल में दूध व दुग्ध उत्पादों की ब्रांडिंग की जाएगी।

इसी तरह पानीपत ज़िले में गाजर, रेवाड़ी में सरसों, सिरसा में किन्नू, सोनीपत में मटर और यमुनानगर में आम से संबंधित उत्पादों को नई पहचान दिलाई जाएगी।

दुष्यंत चौटाला ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्र में छोटे उद्योगों को ज़्यादा-से-ज़्यादा बढ़ावा मिले, इसके लिये सरकार हर ब्लॉक को उसके अपने उत्पाद के साथ एक औद्योगिक विज़न से जोड़ेगी। इसके लिये सरकार 'वन ब्लॉक वन प्रोडक्ट' की योजना पर कार्य कर रही है और जल्द 'वन डिस्ट्रिक वन प्रोडक्ट' की तरह सभी ब्लॉकों में भी अलग-अलग उत्पादों के उद्योगों को बढ़ावा मिलेगा।

हरियाणा ने 'गोरख धंधा' शब्द के इस्तेमाल पर प्रतिबंध लगाने की अधिसूचना जारी की

चर्चा में क्यों ?

हाल ही में राज्य सरकार द्वारा राज्य में किसी भी आधिकारिक संचार में 'गोरख धंधा' शब्द के इस्तेमाल पर प्रतिबंध लगाने की अधिसूचना जारी की गई है।

प्रमुख बिंदु

इस अधिसूचना के बाद अब राज्य में किसी भी राजभाषा, भाषण या किसी भी संदर्भ में इस शब्द का प्रयोग पूरी तरह से प्रतिबंधित हो गया है।

उल्लेखनीय है कि गोरखनाथ समुदाय के एक प्रतिनिधिमंडल ने मुख्यमंत्री से 'गोरख धंधा' शब्द के उपयोग पर प्रतिबंध लगाने का आग्रह करते हुए कहा था कि यह संत गोरखनाथ के अनुयायियों की भावनाओं को आहत करता है।

इसी क्रम में मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर ने अगस्त महीने में अनैतिक प्रथाओं का वर्णन करने के लिये आमतौर पर इस्तेमाल किये जाने वाले 'गोरख धंधा' शब्द के इस्तेमाल पर प्रतिबंध लगाने की घोषणा की थी।

विदित हो कि गुरु गोरखनाथ या गोरक्षनाथ नाथ योगी के एक संत थे। इन्होंने पूरे भारत का भ्रमण किया और अनेक ग्रंथों की रचना की। गोरखनाथ जी का मंदिर उत्तर प्रदेश के गोरखपुर नगर में स्थित है। गोरखनाथ के नाम पर इस ज़िले का नाम गोरखपुर पड़ा है। गोरखनाथ के शिष्य बाबा भैरोंनाथ थे, जिनका वध माता वैष्णोदेवी ने किया था।

आवास, मकान मरम्मत योजना के लिये विशेष प्रकोष्ठ

चर्चा में क्यों ?

6 अक्तूबर, 2021 को हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर ने कहा कि अनुसूचित जाति वर्ग के व्यक्तियों के लिये आवास योजना और मकान मरम्मत योजना से संबंधित शिकायतों के निवारण के लिये एक अलग प्रकोष्ठ का गठन किया जाएगा।

नोट :

प्रमुख बिंदु

मुख्यमंत्री ने यह बात अपने आवास पर हरियाणा भाजपा अनुसूचित जाति मोर्चा की राज्य कार्य समिति के सदस्यों से बात करते हुए कही।

इसके अलावा मुख्यमंत्री ने कहा कि इन शिकायतों के लिये एक अलग पोर्टल बनाया जाएगा और इसके लिये एक अधिकारी भी नियुक्त किया जाएगा।

उन्होंने कहा कि प्रसिद्ध व्यक्तियों की विचारधारा लोगों तक पहुँचाने के लिये उनकी जयंती पर प्रखंड स्तर पर कार्यक्रम आयोजित किये जाएँगे। इसके लिये राज्य सरकार ने संत महापुरुष विचार सम्मान एवं प्रसार योजना के तहत 10 करोड़ रुपए का बजट प्रावधान किया है।

लाल डोरा के संबंध में उन्होंने कहा कि जल्द ही गाँवों में लाल डोरा क्षेत्र के बाहर रहने वाले लोगों के लिये एक रजिस्ट्री योजना लागू की जाएगी। उन्होंने कहा कि ज़रूरत पड़ने पर मानकों में सुधार के लिये मनरेगा के माध्यम से भी काम किया जाए, ताकि लोग आराम से रह सकें।

हरियाणा सांझी उत्सव

चर्चा में क्यों ?

7 अक्टूबर, 2021 को हरियाणा सरकार के कला एवं सांस्कृतिक कार्य विभाग व विरासत हेरिटेज विलेज कुरुक्षेत्र के संयुक्त तत्वावधान में 'हरियाणा सांझी उत्सव' विरासत हेरिटेज विलेज, कुरुक्षेत्र में शुरू हुआ।

प्रमुख बिंदु

इस उत्सव में हरियाणा के अलग-अलग ज़िलों से 50 से अधिक टीमें भाग ले रही हैं। विजेताओं को प्रथम, द्वितीय, तृतीय व सांत्वना पुरस्कार के रूप में क्रमश: 51, 31, 21 व 11 हज़ार रुपए की राशि दी जाएगी।

उल्लेखनीय है कि 'हरियाणा सांझी उत्सव' राज्यस्तर पर पहली बार आयोजित किया जा रहा है। इस आयोजन में हरियाणा की लोककला सांझी के साथ-साथ हरियाणा की प्राचीन विषय-वस्तुओं की प्रदर्शनी विशेष आकर्षण का केंद्र होगी।

कला एवं सांस्कृतिक कार्य विभाग के प्रवक्ता ने बताया कि हरियाणा का यह सांझी उत्सव 15 अक्टूबर तक चलेगा। इसमें हरियाणवी संस्कृति के अलग-अलग रंग देखने को मिलेंगे। सांझी उत्सव में हरियाणवी लोकनृत्य, रीति-रिवाज़, लोक परंपराएँ तथा संपूर्ण हरियाणा की सांस्कृतिक झलक देखने को मिलेगी।

इस उत्सव में कुरुक्षेत्र, अंबाला, फरीदाबाद, कैथल से टीमों ने भाग लिया है।

अंशु मलिक बनीं वर्ल्ड कुश्ती चैंपियनशिप में रजत पदक जीतने वाली पहली भारतीय महिला रेसलर

चर्चा में क्यों ?

7 अक्टूबर, 2021 को नॉर्वे के ओस्लो में चल रही विश्व कुश्ती चैंपियनशिप के महिला वर्ग के 57 किलोग्राम भार वर्ग के फाइनल में अंशु मलिक रजत पदक प्राप्त करने वाली देश की पहली महिला रेसलर बनी हैं।

प्रमुख बिंदु

अंशु मलिक को अमेरिका की ओलंपिक और वर्ल्ड चैंपियन हेलेन मरॉलिस ने फाइनल में 4-1 से हराया।

नॉर्वे में जारी इस प्रतियोगिता में 20 वर्षीय अंशु मलिक ने सेमीफाइनल में जूनियर यूरोपीय चैंपियन सोलोमिया विंक को तकनीकी दक्षता के आधार पर हराया था।

अंशु मलिक से पहले गीता फोगाट (2012), बबिता फोगाट (2012), पूजा ढांडा (2018) और विनेश फोगाट (2019) विश्व चैंपियनशिप में कांस्य पदक जीत चुकी हैं।

इसी के साथ अंशु वर्ल्ड चैंपियनशिप में पहुँचने वाली तीसरी भारतीय पहलवान बन गई हैं। उनसे पहले सुशील कुमार (2010) और बजरंग पूनिया (2018) यह उपलब्धि हासिल कर चुके हैं। सुशील ने 2010 में गोल्ड मेडल जीता था।

नोट :

उल्लेखनीय है कि 20 वर्षीय अंशु मलिक हरियाणा के जींद की निवासी हैं।

वहीं भारत की दिग्गज पहलवान सरिता मोर ने 59 किग्रा. भार वर्ग के ब्रॉन्ज मेडल मैच में स्वीडन की सारा लिंडबोर्ग को 8-2 से हराकर कांस्य पदक जीता। विश्व चैंपियनशिप 2021 में वह मेडल जीतने वाली दूसरी महिला पहलवान तथा ओवरऑल पदक जीतने वाली छठी महिला पहलवान हैं।

विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस

चर्चा में क्यों ?

8 अक्टूबर, 2021 को हरियाणा के स्वास्थ्य सेवाएँ महानिदेशालय द्वारा 'मेंटल हेल्थ इन अनइक्वल वर्ल्ड' (Mental health in Unequal World) थीम के साथ विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस मनाया गया।

प्रमुख बिंदु

हरियाणा स्वास्थ्य सेवाएँ विभाग के पूर्व निदेशक डॉ. परवीन गर्ग की उपस्थिति में डॉ. वंदना गुप्ता डीएचएस हरियाणा की अध्यक्षता में राज्य मानसिक स्वास्थ्य प्रकोष्ठ द्वारा एक राज्यस्तरीय सीएमई का आयोजन किया गया।

इसमें हरियाणा के सभी 22 ज़िलों के कार्यक्रम अधिकारियों, मनोचिकित्सकों और मनोवैज्ञानिकों ने भाग लिया, सीएमई ने सभी के लिये मानसिक स्वास्थ्य देखभाल के विषय पर ध्यान केंद्रित करने के लिये ट्राइसिटी से फैकल्टी को शामिल किया।

विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस का उद्देश्य मानसिक बीमारी के महत्त्व के बारे में जागरुकता फैलाना और इसके बारे में बात करना है।

प्रदीप कुमार सलाहकार आयुष पंचकूला ने तनाव प्रबंधन और अच्छे मानसिक स्वास्थ्य के लिये एक मिनी कार्यशाला का आयोजन किया व डॉ. स्वप्नजीत सहायक प्रोफेसर, मनोचिकित्सा विभाग, पीजीआईएमईआर चंडीगढ़ ने लैंगिक असमानता और मानसिक स्वास्थ्य पर विस्तृत विवरण दिया।

हरियाणा के 22 ज़िलों के सभी 75 प्रतिभागियों को राज्य मानसिक स्वास्थ्य प्रकोष्ठ, हरियाणा द्वारा आयोजित सीएमई कार्यक्रम के लिये उपस्थिति प्रमाण-पत्र प्रस्तुत किया गया।

तोशाम पहाड़ी पर मिली मुंडरूपी उत्तर मध्यकालीन प्रतिमा

चर्चा में क्यों ?

हाल ही में हरियाणा के भिवानी ज़िले में तोशाम स्थित पहाड़ी पर उत्तर मध्यकालीन युग की एक पत्थर की मुंडरूपी प्रतिमा मिली है, जो देखने में किसी पुरुष की प्रतीत होती है।

प्रमुख बिंदु

इससे पूर्व भी तोशाम पहाड़ी पर भगवान वामन की पत्थर की प्रतिमा मिली थी।

ऐतिहासिक साक्ष्यों के अनुसार इस पहाड़ी पर अज्ञातवास के समय पांडवों का वास रहा था तथा यहाँ पृथ्वीराज चौहान महलनुमा बने बारादरी के नाम से विख्यात महल में अपनी कचहरी चलाते थे।

उल्लेखनीय है कि तोशाम पहाड़ी लगभग 800 फीट ऊँची है। इस पहाड़ी पर अशोक चक्र, पंचतीर्थी कुंड, ग्यारसीया कुंड सहित अनेक ऐतिहासिक साक्ष्य विद्यमान हैं।

परिवार पहचान-पत्र योजना

चर्चा में क्यों ?

11 अक्टूबर, 2021 को हुई हरियाणा परिवार पहचान प्राधिकरण की पहली बैठक में मुख्यमंत्री मनोहरलाल खट्टर द्वारा एक नवंबर से विभिन्न विभागों की सभी योजनाओं एवं सेवाओं का लाभ केवल परिवार पहचान-पत्र के माध्यम से दिये जाने का निर्देश दिया गया।

नोट :

प्रमुख बिंदु

गौरतलब है कि परिवार पहचान-पत्र योजना का प्रारंभ हरियाणा सरकार द्वारा वर्ष 2020 में किया गया था।

परिवार पहचान-पत्र के तहत प्रत्येक परिवार को एक इकाई मानते हुए आठ अंकों की विशिष्ट परिवार आई.डी. प्रदान की जा रही है।

इसका उद्देश्य हरियाणा में सभी परिवारों का प्रामाणिक, सत्यापित और विश्वसनीय डाटा तैयार करना है, ताकि सरकारी योजनाओं का लाभ प्रत्येक लाभार्थी को बाधामुक्त रूप में प्रदान किया जा सके।

गुरुग्राम में हेली-हब का निर्माण

चर्चा में क्यों ?

13 अक्टूबर, 2021 को हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर ने बताया कि केंद्र सरकार द्वारा गुरुग्राम में हेली-हब बनाने की मंज़ूरी दी गई है और जल्द ही राज्य सरकार द्वारा इसके लिये केंद्र सरकार को ज़मीन का प्रस्ताव भेजा जाएगा।

प्रमुख बिंदु

गौरतलब है कि हाल ही में घोषित नई हेलीकॉप्टर नीति के तहत देश में चार हेली-हब- एचएएल एयरपोर्ट (बंगलुरू), जूहू (मुंबई, महाराष्ट्र), गुवाहाटी (असम) तथा दिल्ली में बनाए जाने का प्रावधान किया गया है।

उपर्युक्त हेली-हब के अतिरिक्त स्थापित किया जाने वाला गुरुग्राम हेली-हब देश का 5वाँ एवं प्रदेश का पहला हेली-हब होगा।

उल्लेखनीय है कि गुरुग्राम हेली-हब में न केवल उड़ान भरने की बल्कि पार्क्रिंग रिफ्यूलिंग एवं मरम्मत की सुविधा उपलब्ध होगी, जिससे इंदिरा गांधी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे (दिल्ली) का एयर ट्रैफिक की समस्या का समाधान हो सकेगा।

हरियाणा सरकार ने 'दो प्रदेश स्तरीय संस्थान' शुरू करने का निर्णय लिया

चर्चा में क्यों ?

13 अक्टूबर, 2021 को हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर ने गुरुग्राम व कुरुक्षेत्र मे 'स्टेट इंस्टीट्यूट ऑफ एडवांस्ड स्टडीज इन टीचर एजुकेशन' आरंभ करने की स्वीकृति दी है।

प्रमुख बिंदु

मुख्यमंत्री ने बताया कि हरियाणा देश का पहला राज्य है, जिसने नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति की इस अति महत्त्वाकांक्षी अनुशंसा को लागू करने की पहल की है।

इन दोनों संस्थानों में चार वर्षीय बी.एड. कोर्स में इसी सत्र से विद्यार्थियों को प्रवेश दिया जाएगा।

इन संस्थानों में अध्यापक-शिक्षा का अंतर्राष्ट्रीय स्तर का पाठ्यक्रम लागू किया जाएगा। उन्होंने कहा कि इन संस्थानों के प्रारंभ होने से राज्य में 21वीं सदी के नवीनतम कौशल से युक्त शिक्षकों का निर्माण होगा, जो प्रदेश की स्कूली शिक्षा को सुदृढ़ करेंगे।

हरियाणा सांझी उत्सव-2021

चर्चा में क्यों ?

7 से 15 अक्तूबर, 2021 तक कला एवं सांस्कृतिक कार्य विभाग एवं विरासत हेरिटेज विलेज, कुरुक्षेत्र के संयुक्त तत्वावधान में 'हरियाणा सांझी उत्सव' का आयोजन किया गया। इस उत्सव में कुरुक्षेत्र ने प्रथम स्थान प्राप्त किया।

प्रमुख बिंदु

इस उत्सव में टीम नंबर 22 का प्रतिनिधित्व करने वाली 65 वर्षीय निर्मला देवी ने पहला पुरस्कार, जबकि टीम नंबर 24 का प्रतिनिधित्व करने वाली कैथल की चंदो देवी ने दूसरा पुरस्कार हासिल किया।

नोट :

इसी प्रकार टीम नंबर 2 का प्रतिनिधित्व करने वाली करनाल की सिमरन ने तीसरा, टीम नंबर 23 का प्रतिनिधित्व करने वाले कुरुक्षेत्र की रमनदीप ने चौथा तथा टीम नंबर 19 का प्रतिनिधित्व करने वाले करनाल की मुकेश रानी ने पाँचवा स्थान हासिल किया। टीम नंबर 29 के बल्लभगढ़ निवासी 65 वर्षीय सूरज देवी को विशेष पुरस्कार प्रदान किया गया।

प्रथम पुरस्कार विजेता को 51,000 रुपए, द्वितीय पुरस्कार विजेता को 31,000 रुपए तथा तृतीय पुरस्कार विजेता को 21,000 रुपए की पुरस्कार राशि दी गई।

2 महिला कलाकारों को सांत्वना पुरस्कार के रूप में 11,000 रुपए और विशेष पुरस्कार जीतने वाली महिला कलाकार को 51,000 रुपए की राशि दी गई।

हरियाणा के कला एवं सांस्कृतिक कार्य विभाग की प्रभारी रेणु हुड्डा ने बताया कि हरियाणा सरकार और विरासत हेरिटेज विलेज के सहयोग से राज्यस्तरीय हरियाणा सांझी उत्सव लोक रूप में पहली बार आयोजित किया गया।

सांझी मेकिंग प्रतियोगिता में 54 से अधिक महिला कलाकारों ने भाग लिया। सांझी उत्सव के दौरान पहली बार सांझी गीत गाए गए। सांझी के गीतों पर महिला कलाकारों ने लोकनृत्य की प्रस्तुति दी। इसके अलावा, राज्य भर से कई कलाकारों और सांस्कृतिक समूहों ने अपने प्रदर्शन से लोगों का मनोरंजन किया।

ई-ट्रैक्टर

चर्चा में क्यों ?

17 अक्तूबर, 2021 को चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार इलेक्ट्रिक ट्रैक्टर पर अनुसंधान करने वाला देश का पहला कृषि विश्वविद्यालय बन गया है।

प्रमुख बिंदु

विश्वविद्यालय के कृषि इंजीनियरिंग और प्रौद्योगिकी कॉलेज ने इस ई-ट्रैक्टर को तैयार किया है। यह अनुसंधान उपलब्धि कृषि मशीनरी और फार्म इंजीनियरिंग विभाग के वैज्ञानिक एवं वर्तमान निदेशक, उत्तरी क्षेत्र कृषि मशीनरी परीक्षण एवं प्रशिक्षण संस्थान, हिसार डॉ. मुकेश जैन के मार्गदर्शन में प्राप्त की गई है।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर बी.आर. कांबोज ने बताया कि यह ई-ट्रैक्टर 23.17 किमी. प्रति घंटे की अधिकतम रफ्तार से चल सकता है, व 1.5 टन वजन के ट्रेलर के साथ 80 किमी. तक का सफर कर सकता है। इस ट्रैक्टर के प्रयोग से किसानों की आमदनी में भी इज़ाफा होगा।

कुलपति ने बताया कि ई-ट्रैक्टर में 16.2 किलोवाट की लिथियम आयन बैटरी का इस्तेमाल किया गया है। इस बैटरी को 09 घंटे में फुल चार्ज किया जा सकता है। इस दौरान 19 से 20 यूनिट बिजली की खपत होती है।

इसमें फास्ट चार्ज़िंग का भी विकल्प उपलब्ध है, जिसकी मदद से ट्रैक्टर की बैटरी महज 4 घंटे में चार्ज कर सकते हैं। ट्रैक्टर में बहुत अच्छा 77 प्रतिशत का ड्राबार पुल है। इलेक्ट्रिक ट्रैक्टर के संचालन की लागत के हिसाब से यह डीजल ट्रैक्टर के मुकाबले में 32 प्रतिशत और 25.72 प्रतिशत तक सस्ता है।

इस ट्रैक्टर में 52 प्रतिशत कंपन और 20.52 प्रतिशत शोर बीआईएस कोड की अधिकतम अनुमेय सीमा से कम पाया गया।

ट्रैक्टर में ऑपरेटर के पास इंजन न होने के कारण तपिश भी पैदा नहीं होती, जो ऑपरेटर के लिये बिल्कुल आरामदायक साबित होगा।

मुख्यमंत्री ने 71 'हर हित स्टोर' का लोकार्पण किया

चर्चा में क्यों ?

17 अक्तूबर, 2021 को हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर ने गुरुग्राम से प्रदेश में 71 स्थानों पर एक साथ 'हर हित स्टोर' का लोकार्पण किया। इन स्टोरों के माध्यम से राज्य सरकार ने 2025 तक प्रदेश के हर परिवार को रोज़गार से जोड़ने का लक्ष्य रखा है।

प्रमुख बिंदु

सर्वप्रथम मुख्यमंत्री ने गुरुग्राम ज़िला के फरूखनगर कस्बा में एक 'हर हित स्टोर' का मौके पर जाकर उद्घाटन किया तथा उस स्टोर के पहले ग्राहक बने।

नोट :

तदुपरान्त मुख्यमंत्री सुल्तानपुर के रोजी पेलिकन टूरिस्ट कॉम्पलेक्स से ऑनलाइन माध्यम से प्रदेशभर में 70 'हर हित स्टोर' का लोकार्पण किया।

इस मौके पर मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर ने कहा कि इन स्टोरों से जहाँ एक ओर युवाओं को रोज़गार के अवसर मिल रहे हैं, वहीं दूसरी ओर लोगों को सस्ती दरों पर शुद्ध, सर्टिफाइड व गुणवत्तापरक सामान अपने घर के नज़दीक ही मिलेगा।

मुख्यमंत्री की घोषणा के अनुसार ग्रामीण क्षेत्र में प्रत्येक तीन हज़ार आबादी पर तथा शहरी क्षेत्र में 10 हज़ार आबादी पर 'हर हित स्टोर' खोला जाएगा।

इन स्टोरों पर घरेलू उपयोगी 60 कंपनियों के 550 उत्पाद उपलब्ध करवाए गए हैं। एमएसएमई, लघु औद्योगिक ईकाइयों तथा सहकारी क्षेत्र की ईकाइयों के अलावा महिलाओं के सैल्फ हैल्प ग्रुप द्वारा तैयार गुणवत्ता के उत्पाद यहाँ पर बाज़ार से कम भाव पर मिलेंगे। सारे सामान की बिक्री कंप्युटरीकृत प्रणाली से होगी। इसके बाद प्रदेश में वीटा के बूथ भी खोले जाएंगे।

परिवार पहचान पत्र के आँकडों के माध्यम से प्रत्येक परिवारों को चिह्नित करके उनके लिये यह योजनाएँ शुरू की गई हैं।

इस दौरान मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश के युवाओं को हुनरमंद बनाने के लिये सरकार ने देश का पहला कौशल विकास विश्वविद्यालय हरियाणा में पलवल ज़िला के दुधोला गाँव में खोला है।

उन्होंने बताया कि गरीबी रेखा से नीचे जीवनयापन करने वाले (बीपीएल) परिवारों के मानक बदले गए हैं। अब जिस परिवार की सभी स्रोतों से वार्षिक आय 1 लाख 80 हज़ार रुपए तक है, वे बीपीएल के दायरे में आएंगे, जबकि पहले आय की सीमा 1 लाख 20 हज़ार रुपए वार्षिक थी।

कोविड-19 सीरो सर्वेक्षण

चर्चा में क्यों ?

18 अक्तूबर, 2021 को हरियाणा के स्वास्थ्य मंत्री अनिल विज ने सितंबर, 2021 में आयोजित कोविड-19 सीरो सर्वेक्षण के तीसरे राउंड की रिपोर्ट जारी की, जिसमें राज्य के लोगों में सीरो-पॉजिटिविटी दर 76.3 प्रतिशत (शहरी 78.1 प्रतिशत और ग्रामीण 75.1 प्रतिशत) पाई गई, जबकि पहले सीरो राउंड में 8 प्रतिशत तथा दूसरे सीरो राउंड में 14.8 प्रतिशत पॉजिटिविटी दर पाई गई थी।

प्रमुख बिंदु

ज़िला कुरुक्षेत्र में सबसे अधिक 85 प्रतिशत सीरो-पॉजिटिविटी देखी गई और सबसे कम फरीदाबाद में 64.2 प्रतिशत देखी गई, लेकिन फरीदाबाद में 14 प्रतिशत सैंपल का निष्कर्ष किन्हीं कारणों से नहीं निकल पाया, इसलिये फरीदाबाद ज़िला का दोबारा सीरो सर्वे करवाया जाएगा।

इस अवसर पर स्वास्थ्य मंत्री ने सीरो सर्वे के तीसरे राउंड की रिपोर्ट की पुस्तक का भी विमोचन किया।

सीरो सर्वे में पुरुषों में 75.3 प्रतिशत, महिलाओं में 77.1 प्रतिशत, 6 से 9 वर्ष के बच्चों में 69.8 प्रतिशत, 10 से 17 वर्ष के बच्चों 73.2 प्रतिशत की पॉजिटिविटी पाई गई है, जबकि टीकाकरण के पश्चात् लोगों में 81.6 प्रतिशत, नॉन-वैक्सीनेटेड लोगों में 75.5 प्रतिशत की पॉजिटिविटी पाई गई।

यह सीरो सर्वेक्षण कोविड-19 टीकाकरण के परिणामस्वरूप या प्राकृतिक संक्रमण द्वारा सार्स एंड कोव-2 के खिलाफ एंटीबॉडी की उपस्थिति का आकलन करने के लिये किया गया था। इस सर्वे में प्राकृतिक एवं टीकाकरण से उत्पन्न हुई एंटीबॉडी का पता लगाने का सर्वेक्षण किया गया और टीकाकरण के बाद बनने वाली एंटीबॉडी का स्पाइक प्रोटीन का टेस्ट भी हुआ है।

यह सर्वेक्षण स्वास्थ्य विभाग द्वारा सामुदायिक चिकित्सा विभाग, पीजीआईएमएस, रोहतक के सहयोग से हरियाणा के सभी ज़िलों में किया गया। सीरो सर्वेक्षण के इस दौर में सैंपल का साइज 36,520 तक बढ़ाया गया, जबकि पहले दौर में 18,700 और दूसरे दौर में 15,840 का सैंपल साइज था।

उल्लेखनीय है कि इस सर्वे में स्वास्थ्य विभाग के लगभग 2200 अधिकारियों व कर्मचारियों को लगाया गया और एक स्तरीकृत बहुस्तरीय यादृच्छिक नमूनाकरण तकनीक (स्ट्रटीफाइड मल्टीस्टेज रैंडम सैंपलिंग टैक्नीक) का उपयोग किया गया तथा हरियाणा के सभी ज़िलों से 36,520 नमूने एकत्र करने के लिये कुल 913 क्लस्टरों की पहचान की गई।

इस सर्वे को करने से पहले राज्य की आईडीएसपी सेल द्वारा 2200 लोगों को कई दौर का प्रशिक्षण दिया गया। फील्ड गतिविधि के लिये जीओ-कॉर्डिनेट्स (भू-निर्देशांक) के साथ 'सेरो सर्वे मोबाइल एप्लिकेशन' पर डिजिटल रूप से फील्ड गतिविधि को कैप्चर किया गया। राज्य आईडीएसपी सेल द्वारा पोर्टल पर पूरी गतिविधि की लाईव निगरानी की जा रही थी।

नोट :

'आयुष्मान भारत' योजना

चर्चा में क्यों ?

19 अक्तूबर, 2021 को हरियाणा के उपमुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला ने राज्य के नंबरदार एवं उसके परिवार को 'आयुष्मान भारत' योजना का लाभ दिये जाने की घोषणा की। इसके तहत 5 लाख रुपए तक प्रति वर्ष कैशलेस इलाज करवाया जा सकेगा।

प्रमुख बिंदु

दुष्यंत चौटाला ने बताया कि राज्य के नंबरदारों व उनके परिवार के सदस्यों को नि:शुल्क आयुष्मान कार्ड बनाकर दिये जाएंगे, जो प्रदेश में कॉमन सर्विस सेंटर व इंपैनल्ड अस्पतालों में बनाए जाएंगे।

प्रदेश में 612 अस्पताल आयुष्मान भारत योजना के तहत इंपैनल्ड हैं, जिनमें 436 निजी व 176 पब्लिक अस्पताल शामिल हैं।

उल्लेखनीय है कि प्रदेश में करीब 20 हज़ार नंबरदार हैं, जिनके परिवारों को केंद्र सरकार की उक्त योजना का लाभ मिलेगा।

अगर जल्दबाज़ी में नंबरदार के परिवार का कोई सदस्य अस्पताल में एडमिट होने के वक्त अपना आयुष्मान कार्ड साथ ले जाना भूल गया है, तो भी बॉयोमीट्रिक से उसकी एंट्री करके इलाज तुरंत शुरू कर दिया जाएगा।

इस योजना के तहत डिस्चार्ज होने के बाद मरीज़ के मोबाइल नंबर पर मैसेज आ जाएगा कि उसका इलाज के दौरान कितना खर्च आया है, यही नहीं मरीज़ से उसके इलाज के बारे में फीडबैक भी लिया जाएगा।

'स्वस्थ हरियाणा' ऐप

चर्चा में क्यों ?

19 अक्तूबर, 2021 को हरियाणा के स्वास्थ्य मंत्री अनिल विज ने लोगों को नागरिक अस्पतालों में लंबी लाइनों से निजात दिलाने के लिये 'स्वस्थ हरियाणा' मोबाइल ऐप लॉन्च किया।

प्रमुख बिंदु

इस ऐप के माध्यम से कोई भी मरीज़ प्रदेश के किसी भी नागरिक अस्पताल में अपना इलाज करवाने के लिये रजिस्ट्रेशन कर सकता है।

'स्वस्थ हरियाणा' मोबाइल ऐप हरियाणा के स्वास्थ्य संस्थानों में स्टेट हेल्थ सिस्टम्स रिसोर्स सेंटर (HSHRC) द्वारा बनाया गया है।

इस मोबाइल ऐप द्वारा मरीज़ों का एडवांस रजिस्ट्रेशन, मरीज़ों का जनसांख्यिकीय विवरण से भरा जा सकेगा और मरीज़ अपना भूतपूर्व रजिस्ट्रेशन का रिकॉर्ड देख पाएंगे।

साथ ही, मरीज़ अपनी इच्छानुसार किसी भी स्वास्थ्य संस्थान व ओपीडी का चयन कर सकेंगे तथा मरीज़ों को निकटतम ब्लड बैंक की जानकारी भी उपलब्ध कराई जाएगी।

निशक्तता मामलों में सैनिकों को अनुग्रह राशि

चर्चा में क्यों ?

21 अक्तूबर, 2021 को हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर ने हरियाणा के सैनिकों को निशक्तता के मामलों में 35 लाख रुपए तक अनुग्रह राशि प्रदान करने की घोषणा की।

प्रमुख बिंदु

घोषणा के अनुसार, अब सैनिकों के 20 प्रतिशत निशक्तता के मामलों में 5 लाख रुपए से बढ़ाकर 15 लाख रुपए, 50 प्रतिशत निशक्तता के मामलों में अनुग्रह राशि 10 लाख रुपए से बढ़ाकर 25 लाख रुपए और 100 प्रतिशत निशक्तता के मामलों में 15 लाख रुपए से बढ़ाकर 35 लाख रुपए की राशि प्रदान की जाएगी।

मुख्यमंत्री ने अनुग्रह राशि बढ़ाए जाने की घोषणा का नोटिफिकेशन सप्ताह भर में किये जाने के निर्देश संबंधित विभाग के अधिकारियों को दिये हैं।

नोट :

श्रेष्ठ राज्य कृषि नेतृत्व पुरस्कार, 2021

चर्चा में क्यों ?

हाल ही में केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर ने 12वें कृषि नेतृत्व सम्मेलन व नेतृत्व पुरस्कार, 2021 के दौरान हरियाणा के कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री जे.पी. दलाल को श्रेष्ठ राज्य कृषि नेतृत्व पुरस्कार, 2021 प्रदान किया।

प्रमुख बिंदु

हरियाणा को कृषि क्षेत्र में पिछले सात वर्षों से किये जा रहे नवाचार व नई पद्धतियों को लागू करने के फलस्वरूप प्रदेश को राज्यों की श्रेणी में श्रेष्ठ राज्य कृषि नेतृत्व पुरस्कार, 2021 से नवाजा गया है।

इस कार्यक्रम में प्रदेश के प्रगतिशील किसान कंवल सिंह चौहान को भी पुरस्कृत किया गया।

इस अवसर पर जे.पी. दलाल ने कहा कि हरियाणा ने इनोवेशन के लिये जो कदम उठाए हैं, उनमें पानी का सही उपयोग करना, कम पानी में तैयार होने वाली फसलों का विविधीकरण और किसान की आमदनी बढ़ाने के लिये तरह-तरह की अनेक योजनाएँ शामिल हैं।

हरियाणा संस्कृत अकादमी ने की वर्ष 2019 और 2020 के लिये पुरस्कारों की घोषणा

चर्चा में क्यों ?

22 अक्तूबर, 2021 को हरियाणा संस्कृत अकादमी ने वर्ष 2019 और 2020 के लिये पुरस्कारों की घोषणा कर दी है।

प्रमुख बिंदु

अकादमी के निदेशक डॉ. दिनेश शास्त्री ने बताया कि वर्ष 2019 के लिये प्रो. अभिराज राजेंद्र मिश्र (हिमाचल प्रदेश) और वर्ष 2020 के लिये प्रो. डॉ. मान सिंह (उत्तराखंड) को संस्कृत साहित्यालंकार सम्मान के लिये चुना गया है।

हरियाणा संस्कृत गौरव सम्मान वर्ष 2019 के लिये प्रो. सुधीकांत भारद्वाज (दिल्ली) को, वर्ष 2020 के लिये कैप्टन रामभगत (महेंद्रगढ़) और महर्षि वाल्मीकि सम्मान वर्ष 2019 के लिये डॉ. सत्येंद्र प्रकाश (गुरुग्राम) तथा वर्ष 2020 के लिये प्रो. वीरेंद्र कुमार अलंकार (गोहाना) का चयन किया गया है।

आचार्य स्थाणुदत्त सम्मान के लिये वर्ष 2019 हेतु डॉ. दिव्या त्रिपाठी (पंचकूला), वर्ष 2020 के लिये डॉ. जगदीश प्रसाद शर्मा (यमुनानगर) तथा महर्षि वेदव्यास सम्मान के लिये वर्ष 2019 हेतु डॉ. राधेश्याम शर्मा (करनाल) व वर्ष 2020 के लिये डॉ. जयभगवान शर्मा (झज्जर) का चयन किया गया है।

महर्षि विश्वामित्र सम्मान हेतु वर्ष 2019 के लिये डॉ. सुधीर कुमार (पंचकूला), वर्ष 2020 हेतु डॉ. देवी सिंह (जीरकपुर) तथा महाकवि बाणभट्ट सम्मान हेतु वर्ष 2019 के लिये डॉ. सुधीर कुमार आर्य (दिल्ली) और वर्ष 2020 के लिये सुशील कुमार शास्त्री (हिसार) को चयनित किया गया है।

'गुरु विरजानंद आचार्य सम्मान' हेतु वर्ष 2019 के लिये आचार्य हरिदत्त (रोहतक) तथा 'विद्या मार्तण्ड पं. सीताराम शास्त्री आचार्य सम्मान' हेतु वर्ष 2019 के लिये श्रीमती कुसुमलता (कुरुक्षेत्र) व वर्ष 2020 के लिये आचार्या सीमा रानी (कुरुक्षेत्र) को चुना गया है।

विशिष्ट संस्कृत सेवा सम्मान हेतु वर्ष 2019 के लिये डॉ. मुरलीधर शास्त्री (भिवानी) और वर्ष 2020 के लिये डॉ. अशोक कुमार मिश्र (अंबाला) को चुना गया है।

पं. युधिष्ठिर मीमांसक आचार्य सम्मान हेतु वर्ष 2019 के लिये आचार्य हिमांशुधर (भिवानी) तथा वर्ष 2020 के लिये आचार्य देवेंद्र कुमार (सोनीपत) को चुना गया है।

स्वामी धर्मदेव संस्कृत समाराधक सम्मान हेतु वर्ष 2019 के लिये भगवती आर्य, कन्या गुरुकुल जसात (गुरुग्राम) व वर्ष 2020 के लिये रतिराम संस्कृत महाविद्यालय (जींद) का चयन किया गया है।

पुस्तक-पुरस्कारों में 'गद्य विधा' वर्ग में वर्ष 2019 के लिये डॉ. जितेंद्र कुमार (पंचकूला) को उनकी पुस्तक 'मम सांस्कृतिक यात्रा' के लिये चुना गया है। वर्ष 2020 में 'पद्य विधा' में जयपाल शास्त्री (भिवानी) को उनकी पुस्तक 'अथ-काव्यमिदं में जीवनपाथेयं' के लिये, डॉ. पीयूष अग्रवाल (अंबाला) का उनकी पुस्तक 'नाट्यत्रयं' (नाटक) के लिये चयन किया गया है।

नोट :

उल्लेखनीय है कि संस्कृत साहित्यालंकार सम्मान और हरियाणा संस्कृत गौरव सम्मान के लिये साहित्यकार को दो लाख रुपए की राशि और प्रशस्ति-पत्र प्रदान किया जाता है।

महर्षि वाल्मीकि सम्मान, आचार्य स्थाणुदत्त सम्मान, महर्षि वेदव्यास सम्मान, महर्षि विश्वामित्र सम्मान के लिये 1.5 लाख रुपए प्रदान किये जाते हैं। इनके अलावा, महाकवि बाणभट्ट सम्मान, गुरु विरजानंद आचार्य सम्मान, विद्या मार्तण्ड पंडित सीताराम शास्त्री आचार्य सम्मान, पं. युधिष्ठिर मीमांसक आचार्य सम्मान, स्वामी धर्मदेव संस्कृत समाराधक सम्मान और विशिष्ट संस्कृत सेवा सम्मान के लिये 1 लाख रुपए की पुरस्कार राशि प्रदान की जाती है। पुस्तक-पुरस्कार के लिये 31 हज़ार रुपए प्रदान किये जाते हैं।

बी.टेक. की पढ़ाई हिन्दी भाषा में

चर्चा में क्यों ?

23 अक्तूबर, 2021 को अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद, नई दिल्ली ने शैक्षिक वर्ष 2021-22 से बी.टेक. की पढ़ाई हिन्दी भाषा में करवाने के लिये हरियाणा के तीन तकनीकी विश्वविद्यालयों को मान्यता प्रदान की है।

प्रमुख बिंदु

हरियाणा के जिन तीन तकनीकी विश्वविद्यालयों को मान्यता मिली है, उनमें गुरु जंभेश्वर विज्ञान और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (हिसार), दीनबंधु छोटूराम विज्ञान और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (मुरथल) तथा जगदीश चंद्र बोस विज्ञान और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (फरीदाबाद) शामिल हैं।

गुरु जंभेश्वर विज्ञान और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, हिसार को संगणक विज्ञान अभियांत्रिकी (कंप्यूटर साइंस और इंजीनियरिंग), सूचना प्रौद्योगिकी (इनफॉर्मेशन टेक्नोलॉजी), इलेक्ट्रॉनिक्स और संचार अभियांत्रिकी (इलेक्ट्रॉनिक्स और कम्युनिकेशन इंजीनियरिंग), यांत्रिक अभियांत्रिकी (मैकेनिकल इंजीनियरिंग) सहित चार शाखाओं के लिये प्रत्येक शाखा में 30 सीटों की मान्यता दी गई है।

दीनबंधु छोटूराम विज्ञान और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, मुरथल ज़िला सोनीपत को विद्युतीय अभियांत्रिकी (इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग) एवं यांत्रिक अभियांत्रिकी (मैकेनिकल इंजीनियरिंग) दो शाखाओं के लिये प्रत्येक शाखा में 30 सीटों की मान्यता दी गई है।

जगदीश चंद्र बोस विज्ञान और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, फरीदाबाद को यांत्रिक अभियांत्रिकी (मैकेनिकल इंजीनियरिंग) में 30 सीटों की मान्यता दी गई है।

ऐतिहासिक स्थलों का पर्यटन क्षेत्र के रूप में विकास

चर्चा में क्यों ?

23 अक्तूबर, 2021 को हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर ने महेंद्रगढ़ ज़िले के ऐतिहासिक स्थलों- ढोसी पर्वत और माधोगढ़ किला को पर्यटन स्थल के रूप में विकसित करने की घोषणा की है।

प्रमुख बिंदु

मुख्यमंत्री ने कहा कि इन दोनों स्थलों में पर्यटन की काफी संभावनाएँ हैं। ढोसी पर्वत को जहाँ तीर्थ स्थल के रूप में विकसित करने की योजना बनाई गई है, वहीं माधोगढ़ किला पर अधिक-से-अधिक पर्यटक लाने के लिये आने वाले समय में माधोगढ़ के राजा महल का भी निर्माण किया जाएगा।

राज्य सरकार इसके लिये योजनाबद्ध तरीके से कार्य कर रही है। माधोगढ़ किला पर रानी तालाब के पुनर्निर्माण का कार्य हो चुका है तथा रानी महल का कार्य भी अंतिम चरण में है। इस कार्य पर 9 करोड़ रुपए खर्च होंगे।

बताया जाता है कि ढोसी पर्वत प्राचीन समय में ऋषि चवन जैसे महान तपस्वी का निवास स्थल था।

इसके साथ ही मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर ने महेंद्रगढ़ ज़िला को 1358.68 लाख रुपए की विकास परियोजनाओं की सौगात दी तथा आजम नगर सीहोर के 33 केवी के सब स्टेशन का उद्घाटन किया। यह सब स्टेशन 299.85 लाख रुपए की लागत से तैयार हुआ है।

इसके अलावा सतनाली में बनने वाले सीएचसी का भी शिलान्यास किया गया। इस भवन पर लगभग 1058.83 लाख रुपए खर्च होंगे। यहाँ पर स्वास्थ्यकर्मियों के लिये आवासीय भवन भी बनाए जाएंगे।

नोट :

दिव्यांगों के लिये राष्ट्रीय पुरस्कार की घोषणा

चर्चा में क्यों ?

25 अक्तूबर, 2021 को हरियाणा वाणी एवं श्रवण नि:शक्तजन कल्याण सोसायटी, पंचकूला को दिव्यांग व्यक्तियों के सशक्तीकरण हेतु वर्ष 2021 के लिये सर्वश्रेष्ठ नियोक्ता की श्रेणी में राष्ट्रीय पुरस्कार के रूप में चुना गया है।

प्रमुख बिंदु

इसके साथ ही भारतीय सांकेतिक भाषा की शिक्षिका स्वाति जांगिड़, जो सितंबर 2019 से इस सोसायटी में कार्यरत् हैं, को आईएसएल में उनके उत्कृष्ट योगदान तथा अंतर्राष्ट्रीय शतरंज टूर्नामेंट में भारत का प्रतिनिधित्व करने के लिये दिव्यांगता के साथ सर्वश्रेष्ठ कर्मचारी/स्व-रोज़गार (बधिर/सुनने में कठिनाई) श्रेणी में चुना गया है।

गुरुग्राम केंद्र के पूर्व छात्र आकाश सिंह को भी राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट चैंपियनशिप में उनकी उपलब्धियों के लिये दिव्यांगता के साथ सर्वश्रेष्ठ कर्मचारी/स्व-रोज़गार (बधिर/सुनने में कठिनाई) श्रेणी में चुना गया है।

सर्वश्रेष्ठ दिव्यांग कर्मचारी/स्वनियोजित में गतिविषयक दिव्यांगता, बहुदुरुपोषण दिव्यांगता, बौनापन, तेजाब हमला पीड़ित, कुष्ठ रोग उपचारित, प्रमस्तिष्क घात श्रेणी के तहत हिसार (हरियाणा) के प्यारेलाल को राष्ट्रीय पुरस्कार देने की घोषणा की गई।

इन पुरस्कारों की घोषणा सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय (दिव्यांगजन सशक्तीकरण विभाग) द्वारा की गई है। ये पुरस्कार विश्व दिव्यांग दिवस पर 3 दिसंबर, 2021 को दिल्ली में प्रदान किये जाएंगे।

उल्लेखनीय है कि दिव्यांगों के सशक्तीकरण प्रक्रिया में शामिल व्यक्तियों एवं संस्थाओं के समर्पित प्रयासों को सराहने के लिये और अन्य लोगों को इस क्षेत्र में उत्कृष्टता हासिल करने हेतु प्रोत्साहित करने के लिये, सर्वाधिक कुशल/उत्कृष्ट दिव्यांग कर्मचारियों, सर्वश्रेष्ठ नियोक्ताओं, सर्वश्रेष्ठ उत्कृष्ट प्रौद्योगिकीय नव उत्पाद और लागत प्रभावी प्रौद्योगिकी प्रदान करने के लिये पृथक् पुरस्कारों से सम्मानित किया जाता है।

दिव्यांग व्यक्तियों के लिये बाधारहित परिवेश सृजित करने हेतु सरकारी क्षेत्र, सार्वजनिक क्षेत्र उपक्रमों और निजी उद्यमों को, दिव्यांगता पुनर्वास के क्षेत्र में सर्वश्रेष्ठ ज़िला, राष्ट्रीय न्यास का सर्वश्रेष्ठ स्थानीय स्तर समिति और राष्ट्रीय दिव्यांग व्यक्ति वित्त एवं विकास निगम के सर्वश्रेष्ठ राज्य चेनलाइजिंग एजेंसी (एससीए) को भी पुरस्कार दिये जाते हैं।

'अपशिष्ट प्रबंधन के लिये सहायता' योजना

चर्चा में क्यों ?

26 अक्टूबर, 2021 को हरियाणा सरकार ने उद्योगों को अपशिष्ट प्रबंधन गतिविधियों को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से औद्योगिक क्षेत्र के लिये 'अपशिष्ट प्रबंधन के लिये सहायता' योजना अधिसूचित की है, जिसके तहत राज्य में उद्योगों को कचरा संग्रहण, परिवहन, उपचार और निपटान जैसी अपशिष्ट प्रबंधन गतिविधियों के लिये प्रोत्साहन प्रदान किया जाएगा।

प्रमुख बिंदु

उद्योग एवं वाणिज्य विभाग के प्रवक्ता ने बताया कि यह योजना 1 जनवरी, 2021 से शुरू मानी जाएगी और पाँच वर्ष की अवधि तक लागू रहेगी। इस योजना के तहत 1 जनवरी, 2021 को या उसके बाद और 31 दिसंबर, 2025 से पहले भूमि, मशीनरी एवं उपकरण की खरीद पर सहायता प्रदान की जाएगी।

अपशिष्ट प्रबंधन योजना के तहत इलेक्ट्रॉनिक्स सिस्टम डिज़ाइन एंड मैन्यूफैक्चरिंग (ईएसडीएम) क्षेत्र में संचालित उद्योगों के लिये इलेक्ट्रॉनिक कचरा प्रबंधन और ई-कचरा वसूली परियोजनाएँ स्थापित करने हेतु 50 करोड़ रुपए तक की मशीनरी और उपकरण सहित परियोजना लागत के 50 प्रतिशत तक की वित्तीय सहायता प्रदान की जाएगी।

हरियाणा राज्य में कहीं भी इलेक्ट्रॉनिक्स सिस्टम डिज़ाइन एंड मैन्यूफैक्चरिंग (ईएसडीएम) क्षेत्र में संचालित नई अल्ट्रा-मेगा परियोजनाओं, मेगा परियोजनाओं, बड़े उद्योगों, सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों को केवल किये गए व्यय की प्रतिपूर्ति के माध्यम से वित्तीय सहायता प्रदान की जाएगी।

नोट :

एचईईपी-2020 के तहत अधिसूचित उद्योगों की प्रतिबंधात्मक सूची इस सहायता के लिये लागू नहीं होगी। पात्र इकाइयों को सांख्यिकीय उद्देश्य के लिये पोर्टल पर आईईएम/उद्यम पंजीकरण प्रमाण-पत्र (यूआरसी) और हरियाणा उद्यम ज्ञापन (एचयूएम) दाखिल करना होगा।

इकाई वाणिज्यिक उत्पादन में होनी चाहिये। वितरण के समय इकाई नियमित उत्पादन में होनी चाहिये और बंद इकाई को सब्सिडी जारी नहीं की जाएगी।

संवितरण की पद्धति के तहत वित्तीय सहायता का संवितरण तीन चरणों में किया जाएगा। पहले चरण में पात्र सहायता की 25 प्रतिशत की पहली किश्त भूमि का शत-प्रतिशत कब्ज़ा लेने के बाद जारी की जाएगी और आवेदक द्वारा पात्र परियोजना लागत का 50 प्रतिशत व्यय किया होना चाहिये।

पात्र सहायता की 25 प्रतिशत की दूसरी किश्त आवेदक द्वारा पात्र परियोजना लागत का 75 प्रतिशत खर्च करने के बाद वितरित की जाएगी। पात्र सहायता की 50 प्रतिशत की तीसरी और अंतिम किश्त का भुगतान तब किया जाएगा, जब आवेदक ने पात्र परियोजना लागत का शत-प्रतिशत खर्च किया हो। इन सभी मामलों में आवेदक को प्रगति रिपोर्ट भी प्रस्तुत करनी होगी।

कमियों को लिखित रूप में सात दिनों की अवधि के भीतर आवेदक को सूचित किया जाएगा और आवेदक को बताई गई कमियों को दूर करने के लिये 10 दिनों की समयावधि दी जाएगी।

क्षेत्रीय अधिकारी, हरियाणा राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड द्वारा प्रमाणित किये अनुसार उपकरण की स्थापना या योजना की अधिसूचना की तिथि, जो भी बाद में हो, से तीन महीने के भीतर अपना दावा प्रस्तुत नहीं करने पर आवेदक को अपशिष्ट प्रबंधन के लिये सहायता की पात्रता से वंचित कर दिया जाएगा।

यदि किसी भी स्तर पर यह पाया जाता है कि आवेदक ने गलत तथ्यों के आधार पर सहायता का दावा किया है तो आवेदक को 12 प्रतिशत की वार्षिक चक्रवृद्धि ब्याज दर के साथ सहायता वापस करने के अलावा कानूनी कार्रवाई का सामना करना होगा और उसे राज्य सरकार से कोई भी प्रोत्साहन/सहायता प्राप्त करने से वंचित कर दिया जाएगा।

यदि आवेदक अनुदान की राशि ब्याज सहित वापस करने में विफल रहता है तो राशि भू-राजस्व के बकाया के रूप में वसूल की जाएगी। तथ्यों और आँकड़ों के बेमेल होने के कारण भी आवेदक को सार्वजनिक खरीद से वंचित कर दिया जाएगा।

100 बिस्तरों वाला क्रिटिकल कोविड आईसीयू

चर्चा में क्यों ?

26 अक्टूबर, 2021 को राज्य सरकार ने हरियाणा के शहीद हसन खान मेवाती राजकीय मेडिकल कॉलेज नल्हड़, नूंह में 100 बिस्तरों वाला क्रिटिकल कोविड आईसीयू स्थापित किया है।

प्रमुख बिंदु

चिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान विभाग के प्रवक्ता ने बताया कि भारत सरकार के निर्देशानुसार मेडिकल कॉलेजों और घटक अस्पतालों में ट्रिपल लेयर ऑक्सीजन प्लानिंग की गई है।

इस आईसीयू में 3,000 एलपीएम क्षमता के पीएसए संयंत्रों और 1026 डी-टाइप ऑक्सीजन सिलेंडरों के साथ 10,000 लीटर क्षमता का लिक्विड मेडिकल ऑक्सीजन टैंक स्थापित किया गया है।

यह अस्पताल साथ लगते एनसीआर-क्षेत्र, अलवर, मथुरा, रेवाड़ी और पलवल के मरीज़ों की चिकित्सा आवश्यकताओं को भी पूरा करेगा, जिससे इस क्षेत्र में स्वास्थ्य संस्थानों का बोझ कम होगा।

'हरियाणा-अफ्रीका कॉन्क्लेव, सीरीज़-1'

चर्चा में क्यों ?

28-29 अक्तूबर, 2021 को हरियाणा और अफ्रीका के बीच राजनयिक तथा द्विपक्षीय संबंधों को और मज़बूत करने के लिये दो दिवसीय 'हरियाणा-अफ्रीका कॉन्क्लेव, सीरीज़-1' का आयोजन किया गया। इसमें अफ्रीका और हरियाणा के बीच द्विपक्षीय व्यापार तथा कनेक्टिविटी बढ़ाने पर बल दिया गया।

नोट :

प्रमुख बिंदु

केंद्रीय विदेश मंत्रालय के परामर्श पर हरियाणा सरकार के तत्वावधान में राज्य के विदेश सहयोग विभाग द्वारा 'गो ग्लोबल अप्रोच के माध्यम से हरियाणा को बदलना' शीर्षक के तहत आयोजित इस कॉन्क्लेव में 12 अफ्रीकी राष्ट्रों, नामत: मलावी, मोजाम्बिक, तंजानिया, मेडागास्कर, नाइजीरिया, इरिट्रिया, जिम्बाब्वे, युगांडा, सेनेगल, केन्या, इथियोपिया और घाना के राजदूतों एवं वरिष्ठतम दूतावास अधिकारियों और हरियाणा के मंत्रियों एवं उच्चाधिकारियों ने भाग लिया।

इस पहले हरियाणा-अफ्रीका कॉन्क्लेव का उद्देश्य आर्थिक और सांस्कृतिक संबंधों को सुदृढ़ करना है, क्योंकि इससे न केवल सहयोग करने के लिये एक रूपरेखा और अवसर पैदा होंगे, बल्कि दोनों क्षेत्रों के लोगों के बीच आपसी संबंध भी बढ़ेंगे। यह कॉन्क्लेव लंबे समय से चली आ रही दोस्ती को और सुदृढ़ करने की दिशा में उठाया गया एक बड़ा कदम है, जिससे दोनों क्षेत्रों के विकास का मार्ग प्रशस्त होगा।

कॉन्क्लेव के पहले दिन, दोनों क्षेत्रों के बीच प्रचलित सांस्कृतिक संबंधों को समझने के लिये हरियाणा सरकार द्वारा जिमखाना क्लब, चंडीगढ़ में एक सांस्कृतिक कार्यक्रम और उसके बाद रात्रिभोज का आयोजन किया गया। इस सांस्कृतिक कार्यक्रम में उत्तर क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र, पटियाला (एनजेडसीसी) द्वारा हरियाणा, पंजाब, गुजरात, उत्तराखंड और जम्मू-कश्मीर के लोक नृत्य प्रस्तुत किये गए।

इसी प्रकार 29 अक्तूबर, 2021 को कॉन्क्लेव के दूसरे दिन अफ्रीकी देशों और हरियाणा के प्रतिनिधियों एवं गणमान्य व्यक्तियों के विचार-विमर्श सत्र का आयोजन किया गया, जिसमें कृषि, कौशल विकास, शिक्षा, सूचना प्रौद्योगिकी, कृषि आधारित खाद्य प्रसंस्करण, डेयरी, खेल, सांस्कृतिक आदान-प्रदान, पारस्परिक हित और कई अन्य क्षेत्रों में सहयोग की संभावनाओं पर चर्चा हुई।

उल्लेखनीय है कि हरियाणा राज्य और अफ्रीकी महाद्वीप कई समानताएँ साझा करते हैं, दोनों क्षेत्र कृषिप्रधान हैं और युवा जनसांख्यिकीय एवं बड़े उपभोक्ता बाज़ार का लाभ ले रहे हैं। ये तालमेल हरियाणा और अफ्रीका के बीच स्थायी आर्थिक कारोबार एवं द्विपक्षीय संबंधों के निर्माण के लिये एक मज़बूत आधार प्रदान करेगा।

'हर खेत-स्वस्थ खेत' मोबाइल ऐप लॉन्च

चर्चा में क्यों ?

29 अक्तूबर, 2021 को हरियाणा के कृषि एवं किसान कल्याण विभाग की अतिरिक्त मुख्य सचिव डॉ. सुमिता मिश्रा ने 'हर खेत-स्वस्थ खेत' मोबाइल ऐप लॉन्च किया। उन्होंने 'हर खेत-स्वस्थ खेत' अभियान के तहत मिट्टी का नमूना एकत्रित करने की विधि सिखाने वाली पुस्तक का भी विमोचन किया।

प्रमुख बिंदु

डॉ. सुमिता मिश्रा ने बताया कि इस ऐप के माध्यम से किसान-सहायक को मिट्टी का नमूना लेने में मदद मिलेगी, इससे किला नंबर/खसरा नंबर की जानकारी लेने में आसानी होगी।

इस ऐप के माध्यम से किसान-सहायक खेत से मिट्टी का नमूना लेकर उसकी सारी जानकारी इस ऐप में भरेगा, जिससे किसानों को उनकी मिट्टी के रसायनों की सटीक सूचना मिल सकेगी।

उक्त योजना के तहत प्रथम चरण में वित्त वर्ष 2021-22 में 49 ब्लॉकों के लिये मिट्टी के 25 लाख नमूने लेने व उनका परीक्षण करने का लक्ष्य रखा गया है।

सुमिता मिश्रा ने बताया कि राज्य सरकार द्वारा 'हर खेत-स्वस्थ खेत' अभियान पर करीब 68.73 करोड़ रुपए खर्च किये जाएंगे।

हरियाणा ने जीती राष्ट्रीय जूनियर महिला हॉकी ट्रॉफी

चर्चा में क्यों ?

29 अक्तूबर, 2021 को हरियाणा ने मेज़बान झारखंड को हराकर 11वीं हॉकी इंडिया राष्ट्रीय जूनियर महिला हॉकी चैंपियनशिप की ट्रॉफी अपने नाम की। हरियाणा झारखंड को 3-2 से हराकर चैंपियन बना।

नोट :

प्रमुख बिंदु

फाइनल मुकाबले में नीलम ने विजेता हरियाणा के लिये 9वें, 19वें और 21वें मिनट में गोल किया। झारखंड टीम की ओर से पाँचवें मिनट में दीपिका सोरेंग ने तथा 39वें मिनट में रोपानी कुमारी ने गोल किया।

कांस्य पदक के लिये खेले गए मुकाबले में महाराष्ट्र ने चंडीगढ़ को 6-2 से हराकर कांस्य पदक अपने नाम किया।

मैच की समाप्ति के बाद मुख्य अतिथि खेल मंत्री हाफिजुल हसन अंसारी ने तीनों पदक विजेता टीमों और टीम के सभी खिलाड़ियों को ट्रॉफी एवं पदक देकर सम्मानित किया।

गौरतलब है कि 11वें राष्ट्रीय महिला जूनियर हॉकी चैंपियनशिप का आयोजन 20 अक्तूबर, 2021 से 29 अक्तूबर, 2021 तक झारखंड के सिमडेगा ज़िले में किया गया।

दृष्टि The Vision

नोट :